ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-अष्टम *विषय- हिन्दी*

दिनांक-24-12-2020 *मत बाँटो इंसान को*

-विनय महाजन

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

मत बाँटो इंसान को

-विनय महाजन

प्रस्तुत कविता विनय महाजन के द्वारा रचित है। इस कविता में महाजन जी ने मनुष्य को मिलजुल कर रहने की प्रेरणा दी है। मनुष्य को किसी भी भेदभाव में नहीं पड़ना चाहिए हमें सभी भेद-भाव को ब भुलाकर एकता की दृष्टि से इस संसार को देखना चाहिए। यह प्रकृति भी हमें निरंतर यही उपदेश देती है ।
~~~~~~~~~~

इस कविता में विनय महाजन ने कहा है कि इंसानों ने मंदिर मस्जिद और गिरिजाघर में भगवान को बांट लिया है, धरती को बांटा,सागर बाँटा,सब कुछ तो तुमने बांट लिया। अब कम- से- कम इंसानों को मत बांटो । अभी तो हमने चलना शुरू ही किया है, रास्ता तो अभी शुरु ही हुआ है, मंजिल अभी बहुत दूर है और प्रकाश महलों में कैद है और संपूर्ण दीपक मजबूर है ।

आगे की आगे की पंक्तियों में कवि ने कहा है कि सूरज का संदेशा नहीं मिल पा रहा है ,सारे घाटी और मैदान को भी सूरज का सन्देशा नहीं मिल पा रहा है और धरती बहुत हरी-भरी तो है ऊपर आकाश भी बहुत विस्तार रूप से फैला हुआ है परंतु यदि प्यार नहीं हो, प्रेम नहीं हो तो पूरा जग सुना दिखाई देता है और रेगिस्तान मालूम पड़ता है कि जल रहा है इसलिए कवि ने कहा है कि अभी इनको प्यार देना है, अभी प्यार से इन्हें सींचना है क्योंकि सभी प्यासी चट्टान को पानी पिलाना है। यदि सारे भारतवासी एक साथ होते हैं तो चारों तरफ एक पहरेदारी का काम करेंगे अपने देश की रक्षा करेंगे और हर उदास आंगन को हक है खुशियों का। जितने भी आदमी है सभी को खुशियों का हक है सभी को प्रेम का हक है इसी तरह से कवि ने आगे कहा है कि कोई भी ऐसा नहीं है जो हमारी खुशियों को रोक सकता है

धन्यवाद

कुमारी पिंकी 'कुसुम'

🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲🌲